हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 15 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की बैठक आज

भुआबिछिया। जिला महा मंत्री प्रवीण यादव,जिला मंत्री प्रकाश यादव ने बताया अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल बिछिया तहसील एवं ब्लॉक की बैठक रखी गई है जिसमें बिछिया तहसील एवं ब्लाक के अंतर्गत सभी ग्रामों के कार्यकर्ता पदाधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य है दिनांक 15/05/2026 दिन शुक्रवार बैठक स्थल विनोद रंगमंच बिछिया समय दोपहर 12:30 बजे एकत्रीकरण बैठक का मुख्य उद्देश्य समितियां का गठन एवं आगामी युवा प्रशिक्षण वर्ग को लेकर चर्चा एवं आगामी कार्य योजना तैयार करना कार्यकर्ताओं से अनुरोध की अधिक से अधिक संख्या में बैठक मे उपस्थित हो कर बैठक को सफल बनावे।

केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम 15 मई को मंडला दौरे पर रहेंगे

मण्डला। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम 15 मई को मध्यप्रदेश के मंडला जिले के रामनगर पहुंचेंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार वे रामनगर में आयोजित "आदि उत्सव" कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्रीय मंत्री ओराम ओडिशा के झारसुगुड़ा एयरपोर्ट से चार्टर्ड विमान द्वारा सुबह 10 बजे जबलपुर एयरपोर्ट आएंगे। इसके बाद यहाँ से सुबह 10:20 बजे सड़क मार्ग से मंडला जिले के रामनगर दोपहर 12 बजे पहुंचकर "आदि उत्सव" कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के पश्चात अपराह्न 4:30 बजे वापस जबलपुर के लिए रवाना होंगे। इसके बाद वे जबलपुर एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

जनजातीय संस्कृति और गोंडवाना विरासत का होगा भव्य संगम

दो दिवसीय आदि उत्सव का आगाज आज

*** जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम रहेंगे मुख्य अतिथि।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले की ऐतिहासिक नगरी रामनगर में 15 एवं 16 मई 2026 को दो दिवसीय "आदि उत्सव 2026" का आयोजन किया जाएगा। गोंडकालीन राजाओं की राजधानी रहे रामनगर में आयोजित यह उत्सव जनजातीय संस्कृति, गोंडवाना इतिहास, पारंपरिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का भव्य उत्सव होगा।

आदि उत्सव का आयोजन ऐतिहासिक स्थल चौगान मढ़िया एवं रामनगर महल परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम में देशभर से जनजातीय समाज के प्रतिनिधि, राज परिवारों के सदस्य, लोक कलाकार एवं संस्कृति प्रेमी शामिल होंगे।

पहले दिन होगा पारंपरिक शुभारंभ

15 मई को प्रथम दिवस के कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे चौगान मढ़िया रामनगर में ध्वजारोहण एवं पारंपरिक आदि उत्सव शुभारंभ के साथ होगी। इसके पश्चात मेगा स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन, स्मारक स्थल पर झंडा पूजन, नर्मदा पूजन तथा प्रदर्शनी का अवलोकन किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत महल परिसर में विशेष पूजन-अर्चन भी आयोजित होगा, जिसमें जनजातीय परंपराओं और गोंडवाना संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी।

मंचीय कार्यक्रम में होगा सम्मान समारोह

दोपहर 12:20 बजे से आयोजित मंचीय कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन एवं मुख्य अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी रियासतों के प्रतिनिधियों, विशिष्ट आदिवासी प्रतिभाओं एवं विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त करने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही पंडा-पुजारियों का सम्मान भी किया जाएगा।

इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होंगी तथा मुख्य अतिथियों का उद्बोधन आयोजित किया जाएगा।

रात्रि तक होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

दोपहर 3 बजे से आदि उत्सव के दूसरे चरण की शुरुआत होगी, जिसमें देर रात्रि तक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम में उत्तर-पूर्व भारत, मध्य भारत एवं प्रदेश स्तरीय सांस्कृतिक दलों की विशेष प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

इसके अलावा स्थानीय लोकनृत्य दलों द्वारा पारंपरिक जनजातीय नृत्य एवं लोक संस्कृति की जीवंत प्रस्तुतियां दी जाएंगी। गोंड, बैगा एवं अन्य जनजातीय समुदायों की कला, संगीत और परंपराओं का अनूठा प्रदर्शन उत्सव की विशेष पहचान होगा।

आदि उत्सव में शामिल होंगे विभिन्न राज परिवारों के सदस्य

आयोजन में विभिन्न राज परिवारों के सदस्य उपस्थित रहकर गोंडवाना की सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक परंपराओं को सम्मान देंगे।कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रमुख अतिथियों में महेंद्र प्रताप सिंह जूदेव, कोशलेंद्र सिंह जूदेव, धरमवीर सिंह जूदेव, रामकुमार ठाकुर, विरेंद्र सिंह राज, योगेश्वर राज, विरेंद्र शाह, देवेंद्र बहादुर सिंह, योगेंद्र सिंह बाबा, कमलेश प्रताप सिंह, आदित्येंद्र बहादुर सिंह, चेतन प्रताप सिंह, नवेंद्र सिंह तेकाम, युवराज शरण सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, राजा गुलाब सिंह, कुंवर सिंह, निर्मल राजा भरई, मुकेश बम्होरी, बी.के. शाह, धर्मवीर सिंह, सुजान सिंह तथा विक्रम सिंह प्रमुख रूप से शामिल रहेंगे। कार्यक्रम के दूसरे और अंतिम दिन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका की रहेगी विशेष उपस्थिति

16 मई को संगोष्ठी में शामिल होंगी प्रदेश की जानी-मानी हस्तियाँ

आदि उत्सव के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका भी शामिल होंगे। दूसरे दिन महल परिसर के अंदर आयोजित की जाने वाली संगोष्ठी में जनजातीय साहित्य तथा ऐतिहासिक विषयों के जानकार प्रसिद्ध वक्ता शामिल होंगे। इसमें शामिल होने वाले प्रमुख व्यक्तियों में प्रोफेसर डॉ. सचिन तिवारी, सिविल सेवा एवं इतिहासकार दीपक द्विवेदी, प्रो. एवं विभागाध्यक्ष डॉ. आनंद सिंह राणा, प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, तदर्थ विद्वान डॉ. गोविंद पांडे, असिस्टेंट प्रो. चंद्रेश मरावी, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. केएल धुर्वे, डॉ. गौरीसिंह परते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, सामाजिक कार्यकर्ता सोहन सिंह मरावी, रिसर्च स्कॉलर श्रीमती अर्चना मरकाम, एसोसिएट प्रो. डॉ. बीएल झारिया एवं कलाकार सतपाल सिंह पंद्राम सत्य प्रधान शामिल हैं। कार्यक्रम को भव्य और यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आदि उत्सव को गोंडवाना संस्कृति, इतिहास और जनजातीय अस्मिता के महापर्व के रूप में देखा जा रहा है।

विस्थापित परिवारों के लिए बनाए मास्टर प्लान

*** कलेक्टर ने की चुटका परमाणु परियोजना की समीक्षा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने कलेक्टेट के गोलमेज कक्ष में चुटका परमाणु परियोजना के क्रियान्वयन एवं पुनर्वास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने विस्थापित होने वाले परिवारों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री धोटे ने बैठक में निर्देशित किया कि चुटका परमाणु परियोजना से प्रभावित होने वाले सभी 330 परिवारों के विस्थापन सड़क व अन्य बुनियादी सुविधाओं का मास्टर प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने एसडीएम मण्डला को निर्देश दिए कि सभी 330 परिवारों का घर-घर जाकर सर्वे सुनिश्चित करें। विस्थापितों को मिलने वाले लाभों और पात्रता की विस्तृत जानकारी संकलित करें।

विस्थापित परिवारों के सामाजिक और शारीरिक कल्याण को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर धोटे ने एसडीएम मण्डला को स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करने को कहा।

भू-अर्जन और मुआवजे की प्रक्रिया को गति देते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने स्पष्ट किया कि आगामी 10 दिनों के भीतर शत-प्रतिशत अवार्ड पारित किए जाएं। जिन क्षेत्रों में अवार्ड पारित हो चुके हैं, वहां पारदर्शी सूचना के लिए फ्लेक्स (बैनर) चस्पा किए जाएं। डीपीएम द्वारा प्रत्येक घर का सर्वे और सामुदायिक बैठकें अनिवार्य रूप से आयोजित करें।

समीक्षा बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी, एसडीएम निवास सीएल वर्मा, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ सहित संबंधित उपस्थित थे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 कर्मचारी हुये सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने आज कलेक्ट्रेट स्थित गोलमेज सभाकक्ष में जनगणना कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 शासकीय कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर एवं जनगणना अधिकारी श्रीमती क्षमा

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि जनगणना मात्र एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक अत्यंत महत्वपूर्ण और सूक्ष्म कार्य है। यह देश और प्रदेश की भविष्य की विकास योजनाओं का मुख्य आधार बनता है। उन्होंने विशेष रूप से बम्हनी बंजर क्षेत्र में तैनात अमले की सराहना करते हुए कहा कि इस टीम ने शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणादायक है।

कलेक्टर श्री धोटे ने सभी सम्मानित कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता सामूहिक टीम वर्क का परिणाम है। उन्होंने आह्वान किया कि भविष्य में भी इसी जोश और समर्पण के साथ शासकीय कार्यों का निर्वहन करें।

कलेक्टर श्री धोटे ने कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कर्मचारी समाज में फैली कुरीतियों और नशा मुक्ति के संबंध में भी आम नागरिकों को निरंतर जागरूक करें, ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। कार्यक्रम का संचालन श्री अखिलेश उपाध्याय ने किया।

समर कैंप | **15 दिवसीय समर कैंप का स्टेडियम ग्राउंड में हो रहा आयोजन**

नर्मदा सनराइजर्स ने मेकल सुपरकिंग 4 विकेट से हराया

*** युवराज ने ठोके 70 रन लिये 3 विकेट।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला क्रिकेट संघ (DCA) एवं मैकल क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए 1 मई से 15 दिवसीय क्रिकेट समर कैंप जारी है साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट मैकल कप 2026 का शुभारंभ 9 मई से स्टेडियम ग्राउंड मंडला हो चुका है। टूर्नामेंट में तीन टीम शामिल हैं जो लीग मैच खेल रही हैं।

सुबह 8 बजे से प्रारंभ हुए मैच में भारतीय खिलाड़ी शुचि उपाध्याय ने दोनों टीम के कप्तान के सामने टॉस किया जिसमे मेकल सुपरकिंग ने पहिले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। मैकल के पहिले खिलाड़ी बल्लेबाजी में अर्धशतकीय रनो की साझेदारी की लेकिन बसंत ठाकुर के आउट होते ही पूरी टीम ताश पत्ते की तरह बिखर गई। मैकल ने मात्र 108 रनों का लक्ष्य नर्मदा सनराइजर्स को दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नर्मदा ने 25 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। युवराज यादव ने शानदार बल्लेबाजी कर 69 रन बनाए वहीं 3 विकेट हासिल कर मेन ऑफ मैच रहे। अंत में यह मैच नर्मदा ने 4 विकेट से जीत लिया। लीग मैच के दौरान तीनों टीम दो दो मैच जीत चुकी हैं किंतु रन रेट के आधार पर फाइन चैलेंजर और नर्मदा सनराइजर्स फाइनल की दावेदार बन चुकी हैं।

विदित हो कि यह टूर्नामेंट लीग आधारित है सभी टीम दो दो मैच खेलेगी पश्चात फाइनल मैच 17 मई को होगा।

टूर्नामेंट में मैकल मंडला , नर्मदा सनराइजर्स एवं फाइन चैलेंजर हिस्सा ले रहे हैं। कैंप एवं मैच के दौरान चयन समिति के सदस्य इम्तियाज अली,पंकज दुबे, अर्जुन भांडे, अक्षय चंद्रोल, फैजान एवं प्रशिक्षक बसंत ठाकुर, सत्यम बर्मन, युवराज यादव, मोहित बर्मन, शैलेन्द्र सहित पत्रकार जावेद अली, सिकंदर, प्रशांत पटेल, सत्यप्रकाश दुबे सहित सभी सदस्य समय समय पर उपलब्ध रहेंगे। लीग पश्चात फाइनल मैच एवं कैंप फायर होगा जिसमें पुरस्कार वितरण कार्यक्रम संपन्न होगा।

बेटे ने पिता को लाठी से पीटा, घायल समझकर दूसरे कमरे में किया बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के नैनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चिचोली में एक बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी। दरअसल आरोपी बेटे और पिता के बीच शराब और पैसे को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद आरोपी ने लाठी से अपने पिता को मरते दम तक पीटा। पिता की मौके पर ही मौत हो गई। घटना बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात की है।

मृतक की पहचान चिचोली निवासी पूसाम सेयाम (53) के रूप में हुई है। हत्या के आरोपी बेटे का नाम अज्जू सैयाम (23) है। बेटे ने घायल पिता को दूसरे कमरे में बंद किया

जानकारी के अनुसार, घटना के समय घर में पिता-बेटे के बीच शराब और पैसों को लेकर विवाद शुरू हुआ। यह विवाद हिंसक हो गया, जिसके बाद आरोपी बेटे ने लाठी से पिता पर हमला कर दिया। हमले के बाद बेटे ने घायल पिता को दूसरे कमरे में डाल दिया।

सुबह जब बेटे ने पिता को मृत देखा, तो उसने नागपुर में काम करने वाले अपने भाई राजेंद्र सैयाम को बताया कि पिता उठ नहीं रहे हैं। राजेंद्र ने डूंडा में रहने वाले अपने दूसरे भाई को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया।

पुलिस ने आरोपी बेटे को किया गिरफ्तार

सूचना मिलते ही नैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी बेटे को घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पैसों के विवाद की बात सामने आई है। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

वाणी शर्मा ने CBSE बारहवीं कॉमर्स में 87.6% अंकों के साथ प्राप्त की सफलता

मण्डला। सीबीएसई बारहवीं कॉमर्स के घोषित परीक्षा परिणामों में सुभाष वार्ड वार्ड निवासी एवं मोन्टफोर्ट स्कूल की छात्रा वाणी शर्मा ने 87.6% अंक प्राप्त करके गरिमामय स्थान प्राप्त किया। सफलता का श्रेय उन्होंने माता-पिता, स्कूल के शिक्षकों, स्कूल प्रबंधन को दिया। वाणी शर्मा सिंधी समाज के पुरोहित पंडित रानूनाथ शर्मा एवं साक्षी शर्मा की सुपुत्री हैं। उनकी सफलता पर सभी शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई प्रेषित की।

// शपथपत्र //

मैं, विजय मरकाम पिता भूपत मरकाम उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम हर्राटोला पोस्ट मई तहसील बिछिया जिला मंडला म0प्र0 का निम्नांकित कथन शपथपूर्वक करता हूँ कि :-

1. यह कि, मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ।
2. यह कि, मेरा नाम मेरे सभी दस्तावेज आधार कार्ड, अंकसूची, वोटर आई.डी. में विजय मरकाम पिता भूपत मरकाम अंकित है किन्तु ड्रायविंग लायसेंस में विजय सिंह पिता भूर्पत सिंह अंकित हो गया है जो कि त्रुटिपूर्ण है। मेरा सही नाम विजय मरकाम पिता भूपत मरकाम है।
3. यह कि, मेरे द्वारा ड्रायविंग लायसेंस में नाम सुधार हेतु यह शपथपत्र संबंधित विभाग/कार्यालय के पक्ष में निष्पादित किया जा रहा है।

शपथकर्ता
विजय मरकाम

खबर संक्षेप

किसी दिन बड़ी घटना को अंजाम दे सकते है बीच बाजार से निकलने वाले बडे वाहन

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को आने जाने के लिए अच्छी सुविधाएं प्रदान करने की सोच रखते हुये गांव गांव पक्की सड़को का निर्माण कराया गया जा रहा है, मगर सरकार द्वारा ग्रामीणों की सुविधाओं के नाम पर सड़को के निर्माण के लिए खर्च की जाने वाली यह करोड़ो की राशि निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सियों या फिर बडे वाहन मालिकों की मनमानी के भेट चढ़ने से नही चूक रही है..? बताया जाता है कि गांव गांव बनाई जाने वाली इन सड़कों की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि जहां वह निर्मित होने के चंद दिनों के उपरांत टूटना शुरू हो जाती है या फिर वह बडे वाहनों की भेंट चढ़ जाने के कारण ग्रामीणों के लिए सिर्फ परेशानी का कारण ही नही बल्कि खतरे की घंटे बजाने से नही चूक रही है..? क्योंकि बडे वाहन चालकों द्वारा इन पक्की सड़कों पर जिस प्रकार से अपने बडे वाहनों को दौड़ाया जाता है उसके चलते सड़कों के किनारे रहने वाले लोगों की जान खतरे में पड़ने से नही चूक रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय खुलरी में देखने मिल रही है जहां पर आये दिन गांव के अंदर से निकल रहे बडे वाहनों के चलते आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा तो हो ही रहा है। मगर सबसे भयानक स्थिति इस समय निर्मित हो जाती है जब यहां पर प्रति रविवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दौरान देखने मिलती है। क्योंकि बाजार के पास से निकला हुआ मुख्य मार्ग से जहां दूर दूर से दुकाने लेकर आने वाले दुकानदारों को यहां से निकलने वाले बडे वाहनों के चलते खतरा दिखाई दे रहा है, इसी बात को ध्यान में रखते हुए लोगों द्वारा बाजार के दिन यानि की रविवार को दोपहर 1 बजे से शाम 8 बजे तक इस मार्ग से बडे वाहनों के निकलने पर रोक लगाये जाने की मांग की जाने लगी है..? यदि प्रशासन द्वारा समय रहते हुए इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है?

क्षेत्रों के गांवों में कागजों के हिसाब से तो नियुक्त है स्वास्थ्य कर्मी, मगर चक्कर कटते रहते है ग्रामीणजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में अनेक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापति किये गये है, मगर यदि ईमादारी से देखा जावे तो इन शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ चरमरा रही है? एक तरफ मौसमी बीमारियों का प्रकोप होने के साथ साथ इस समय अन्य नये प्रकार की दहशत संपूर्ण क्षेत्रवासियों को दहशत में डालने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कमी नर्स व मलेरिया वर्कर अपने मुख्यालय से गायब रहतें है? ऐसे में टीकाकरण सहित शासन द्वारा ग्रामीणजनों के नाम पर चलाई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का क्या हाल होगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है, शायद ही इसका किसी के पास कोई जबाव हो? वही दूसरी ओर देखा जावे तो इस समय लगातार फैल रही मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ते हुये क्रम में देखने मिल रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई प्रसूताओं व शिशुओं के लिए टीकाकरण में भी देखने मिल रही है जो ग्रामीण क्षेत्रों में शायद ही कभी निर्धारित तिथि पर लगते हुये देखे जा रहे हो...?

अगर जे नशा करते रहे तो एक दिन मर ही जावेगें

गाडरवारा। आज की लगभग आधी आबादी तंबाकू का सेवन करती है लेकिन तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में उनको पता भी हो लेकिन उनका फिर भी न चेतना एक अंधेरे भविष्य की ओर इशारा करता है,बरेली निवासी एक गृहणी कहती है कि उनके पति बहुत गुटखा खाते थे। इसके लिए उन्होंने कई प्रयास किये लेकिन वह अपने पति का गुटखा नहीं छुड़ा पाए, इसके बाद उक्त गृहणी ने एक बार अपने पति को धमकी दी थी कि यदि वे गुटखा नहीं छोड़ेंगे तो में मायके चली जाऊँगीं,इसके बाद भी उन पतिदेव ने गुटखा नहीं छोड़ा,तंबाकू उत्पाद की आहत पर जाने की स्थिति बहुत खतरनाक होती है। घर के सदस्यों को देखकर बच्चे उनकी नकल करते हैं,कुछ लोग मानसिक तनाव की अधिकता व मित्रों की संगत में पड़कर धूम्रपान व पाऊचों को खाने के शिकार हो जाते हैं। इन पाऊचों में कुछ इस तरह के केमिकल रहते हैं जो उसका आदी बना देते हैं। देखा गया है कि तंबाकू का उपयोग कम हुआ है।

लोकापर्ण होने के पहले करोडों की राशि से बने हुये ओबर ब्रिज में जहां तहां दिखाई देने लगी दरारे, सच्चाई छिपाने के लिये डामर सहित अन्य साग्रमी से की जा रही लीपापोती

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

निश्चित तौर से जब नगर व क्षेत्र में कोई बड़ा विकास कार्य होता है तो वहां पर रहने वाले लोगों को बड़ी खुशी होते हुये देखी जाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के रेलवे स्टेशन के समीप चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर बनने जा रहे रेल्वे ओवर ब्रिज को देखते हुये जान पड़ रही थी। क्योंकि चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर रेलवे गेट के बंद रहने की स्थिति में चीचली सहित आस पास के दर्जनों गांव के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है और जब यहां पर ओवर ब्रिज निर्माण की खबर सुनी थी तो लोगो के दिलों में इस बात की खुशी देखने मिल रही थी कि शीघ्र ही इस ओबर ब्रिज के निर्माण होने से उन्हें रेल्वे फाटक के बंद रहने की परेशानी से निजात मिल जावेगी। मगर यह सोच अब जहां क्षेत्रवासियों के लिये एक सपना साबित होते हुये जान पड़ रही है..? क्योंकि इस ओबर ब्रिज के निर्माण को शुरू हुये वर्षो का समय निकल जाने के बाद भी निर्माण कार्य अब पूर्णता की ओर तो नजर आ रहा है। इसी के चलते मौके पर चल रहे रंग रोगन के कार्य से यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि शायद शीघ्र ही इसके लोकापर्ण तैयारियाँ शुरू हो चुकी है..? कभी कभी इस ओबर ब्रिज से डम्फर दौड़ते हुये भी नही आने से नही चूक पाते है, जिससे अनुमान लगता है कि शायद अघोषित रूप से इसे चालू कर दिया गया है। सही मायने में देखा जावे तो ओबर ब्रिज के भूमि पूजन के दौरान जो पौधा रोपित किये गये थें वह कार्य पूर्ण होने के पहले ही फल देना शुरू हो चुके है। इस तरह पूर्णता की ओर पहुंच चुके इस रेलवे ओबर ब्रिज के बाद जहां एक ओर रंग रोगन होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर जहां तहां निकल रही दरारे निश्चित तौर से गुणवत्ता की कहानी हो उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। इस तरह दरारों के बीच उभरकर सामने आ रही सच्चाई को छिपाने के लिये उनमें डामर, सीमेन्ट का खोल सहित अन्य प्रकार की सामग्री भरते हुये इन दरारों को छिपाने के लिये प्रयास होते हुये देखे जा रहे है...? इस स्थिति के बीच नगर की सबसे बडी सौगात की लम्बी उम्र की कल्पना कर पाना संभव हो पायेगा..? क्योंकि जब इस ओबर ब्रिज का निर्माण कार्य की शुरूआत हुई थी और रेलवे लाईन के इस ओर यानि की गाडरवारा साईड की दीवारे खड़ी हो ही रही थी और उस समय मौसम की पहली बारिश की मार भी नही झेल पाने की स्थिति में जहां दीवारे गूझा में भरे हुये कसार की तरह बिखर जाने के चलते इस ओर ब्रिज के निर्माण कार्य की गुणवत्ता शुरूआती तौर से ही सबालों के घेरे में आने से नही बच पाई है..? इस संबंध में तत्कालीन क्षेत्र के विधायक सुनीता पटैल द्वारा अपत्ति दर्ज कराये जाने से अनुमान लग रहा था कि शायद इस तरह जरा सी बारिश के बीच धराशाही हुये निर्माण के चलते संपूर्ण कार्य को निरस्त करते हुये नये सिरे से कार्य किया जावेगा। मगर मात्र टूटे हुये भाग की जगह पर मात्र जोड़ तोड़ करते हुये उसे पुनः तैयार कर देना चर्चा का विषय बनने के साथ साथ निर्माण कार्य की संच्चाई संदिग्ध बनने से नही चूक पाई है..? इस तरह वर्षो से चल रहे निर्माण कार्य के चलते अब इस ओबर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्णतः की ओर अग्रसर होते हुये तो दिखाई देने लगा है। मगर जब बीते हुये दिवस हमारी टीम द्वारा इस ब्रिज के निर्माण कार्य की सच्चाई का मौके पर पहुंचकर देखा गया तो निर्मित हो चुके ब्रिज के ऊपरी भाग से लेकर नीचे की ओर अनेक जगहों पर दरारे दिखाई देने के साथ उन्हें सीमेन्ट के माध्यम से जिस तरह भरने का कार्य होते हुये देखा गया वह सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है। यह सच्चाई इस बात को प्रतीत करने से नही चूक रही है कि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा अपनी गुणवत्ता की सच्चाई को छुपाने का प्रयास किया जा रहा हो...? लोगों का कहना है कि अभी तो इस ओबर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण भी नही हो पाया है और जहां तहां निकल रही दरार तथा आडी तिरछी हो रही दिवारों के भरोसे क्या लम्बी उम्र की कल्पना करना संभव हो पायेगा...? क्योंकि अभी तक निर्माण कार्य पूर्ण नही होने के कारण ब्रिज का उपयोग नही होने के बाद भी दरारे निकलने के साथ दीवारे आड़ी तिरछी दिखाई देने लगी है और जब बडे व भारी भरकम वाहनों की धमाचौकड़ी मचेगी तो फिर क्या हाल होगा...? इस सच्चाई तथा जिस गति से निर्माण कार्य चलते हुये देखा जा रहा है उसके चलते अब ब्रिज को लेकर जनचर्चाओं में यह कहा जाने लगा है कि क्या लोकापर्ण की अवधि आने तक यह सौगात सुरक्षित रह पायेगी..? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस समय नगर का निर्माणाधीन ओबर ब्रिज शराब खोरी करने वालों के लिये प्रमुख अड्डा बन चुका है। इस बात की सच्चाई ब्रिज के ऊपर भाग में खाली पड़ी हुई शराब को बाटले तथा अन्य प्रकार की सामग्री उजागर करते हुये देखी जा रही है कि यहां पर किस तरह से शराब खोरी चलते है। इतना ही नही इस निर्माणाधीन ब्रिज के नीचे के भाग में जहां निर्माण कार्य पूर्ण होने के पहले अतिक्रमण होने के साथ शाम होते ब्रिज

के नीचे से लेकर ऊपरी हिस्से में होने वाली शराब खोरी स्थानीय स्तर के अधिकारियों की उदासीनता की कहानी को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। सही मायने में देखा जावे तो यह निर्माणाधीन रेलवे ओबर ब्रिज जहां अपनी गुणवत्ता को लेकर चर्चाओं में बन चुका है तो दूसरी ओर मादक पदार्थ के अवैध कारोबार से लेकर उनके उपयोग को लेकर अपनी एक अलग ही पहचान बनाते हुये संपूर्ण क्षेत्र में अनोखी प्रसिद्वि हासिल करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। हैरत की बात तो इस बात को लेकर हो रही है कि करोड़ो की राशि से हो रहे इस सरकारी कार्य स्थल पर गुणवत्ता तथा कार्य की शुरूआत व पूर्णतः संबंधी किसी तरह की कोई सूचना संबंधि वोर्ड तक स्थापित नही किया गया है। जबकि नियम के अनुसार जब कोई को शासकीय राशि से किसी कंपनी द्वारा निर्माण कार्य किया जाता है तो उसकी संपूर्ण जानकारी कार्य स्थल पर वोर्ड लगाते हुये पारदर्शि तरीके से उजागर की जाती है। इस तरह जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी का परिणाम आने वाली समय में क्षेत्र की जनता को भोगने के लिये मजबूर होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...?

ट्रेक्टर की टक्कर से बाईक सबार की हुई मौत, आक्रोशित ग्रामीणों से किया हंगाम

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

क्षेत्र के सड़को पर बेलगाम गति से दौड़ने वाले ट्रेक्टर ट्रालियों की सच्चाई पर नगर डाली जावे तो जहां यह कृषि कार्यो के नाम पर पंजीकृत होने के बाद भी उनका उपयोग जिस तरह नियमों के विपरित अन्य कार्यो में होते हुये देखा जा रहा है। मगर इसको लेकर प्रशासन की चुप्पी जहां इस तरह मनमानी करने वालों के हौसला बुलंद करने से नही चूक रहे है। वही हाल यह बना हुआ है कि सड़को पर दौडने वाले इन ट्रेक्टर ट्रालियों को इस तरह के लोग दौड़ाते हुये देखे जाते हे न तो उनके पास लाईसेस होता है और न ही वाहन चलाने का अनुभव इसके बाद भी वह धड़ल्ले से टेक्टर चालते हुये आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस सांईखेड़ा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवरी मिढ़वानी बस स्टेन्ड के पास देखने मिली जब एक ट्रेक्टर ट्राली के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये बाइक चालक को टक्कर मार दी गई जिसके चलते वाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि गुरूवार की दोपहर ग्राम पीपरपानी निवासी एक युवक अपनी मोटर साईकिल से गाडरवारा जा रहा था। इस दौरात तेज गति से भागते हुये आ रहे ट्रेक्टर चालक ने बाइक चालक को टक्कर मारने के चलते जहां युवक की मौके पर मौत हो गई। वही घटना को लेकर ग्रामीण एकत्र होकर हंगामा करने लगे। वही घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर सांईखेड़ा पुलिस द्वारा युवक की मौत पर मर्ग कायम करते हुये मामले को जांच में लिया गया है।

जहां तहां अधूरे पड़े शौचालयों के गड्डे मूक पशुओं की जिन्दगी के लिये बन रहे खतरा

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

देश को स्वच्छ व स्वास्थ्य बनाने की सोच के चलते सरकार द्वारा शुरू की गई स्वच्छता की मुहिम के चलते जिस प्रकार से लगभग लगभग 6-7 वर्ष पूर्व जिस प्रकार से जिले से लेकर ब्लाक स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों द्वारा अपनी वाही वाही लूटने के लिए जिले को बाह्य शौच घोषित मुक्त कराये जाने की जो रामलीला की गई थी, उसको लेकर स्थानीय अखबारों द्वारा लगातार इस बात को उजागर किया जा रहा था कि जब लोगों के घरों में अभी तक शौचालयों का निर्माण हुआ ही नही है तो फिर आखिर में जिला बाह्यशौच मुक्त घोषित कर कैसे दिया? मगर इस बात को लेकर न तो उस समय जिले के जिम्मेदार जन प्रतिनिधियों द्वारा ध्यान दिया गया और न ही अधिकारियो द्वारा जिसका परिणाम यह हुआ कि जिला स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार से अपनी वाही वाही लूटने के लिए संपूर्ण जिले को इस प्रकार से लगभग पांच छः वर्ष पूर्व प्रदेश के नेताओं से बाह्यशौच मुक्त घोषित कराते हुए सम्मान पाया गया था। वह सिर्फ चर्चा का विषय ही नही बल्कि उस समय विपक्ष में बैठी हुई पार्टियों की उदासीनता को भी उजागर करते हुए जान पड़ रहा था? क्योंकि जहां प्रशासन द्वारा लोगों के घरों में शौचालयों का निर्माण किया गया है उनकी गुणवत्ता शौचालयों के नाम पर हुए भ्रष्टाचार की कहानी स्वयं बताते हुए दिखाई दे रहे है जो आज तक पूरे नही हो पाये है और जिले को प्रदेश में सबसे पहले वाहशौच घोषित करने में अपनी वाही वाही लूटने वाले अधिकारी भी यहां से बिदा ले चुके है? वही दूसरी यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस प्रकार से लगभग पांच छः वर्ष पहले फर्जी तरीके से घोषित हुए ओडीएफ जिले की सच्चाई देखी जावे तो शहर से लेकर गांवों में आज भी स्पष्ट दिखाई पड़ रही है जहां पर अनेक लोगों के घरों में आज तक शौचालयों का निर्माण नही होने के कारण वह लोग खुले मैदानों का उपयोग करते हुए देखे जा रहे है और अनेक लोगों के घरों म शौचालयों का निर्माण आज भी अंधूरा पड़ा हुआ है जिसके चलते शौचालयों के निर्माण हेतु खोदे गये गड्डे मूक पशुओं के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी के लिए खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए दिखाई पड़ रहे है? इस प्रकार से अंधूर पड़े हुये शौचालय की सच्चाई आये दिन शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिलने से नही चूक रही है जब इन अंधूरे शौचालयों के गड्डो में मूक पशु गिरने से उनकी जान खतरे में पड़ते हुये देखी जाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते वर्ष भी उस समय देखने मिल चुकी थी जब क्षेत्र में अनेक जगहों पर इस प्रकार से अधूरे पड़े हुये शौचालयों के गड्डो में मूक पशु गिरने से उनकी मौत तक हो चुकी है। मगर इस ओर शासन प्रशासन द्वारा शायद ध्यान इसलिय नही दिया जा रहा है क्योंकि शासन के रिकार्ड में शौचालय तो पूर्ण हो चुके है।

जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र में कागजों मे चलते हुये नजर आ रहे है अनेक आंगनबाडी केंद्र..

हरिभूमि न्यूज/चीचली। शहरों के साथ साथ सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्देश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है। मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं,बच्चों को नही मिल पा रहा है? जबकि इनके लिए सरकार करोडो रूपए खर्च कर योजनाए बनाती है। इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती है? जहां पर बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिलता और न पढाई सुविधा मिल रही है। वही गर्भवती महिलाओं को इन केन्द्रों से समय समय पर जो लाभ मिलना चाहिए था वही भी नही मिल पा रहा है। जबकि केन्द्रों के कागजों के हिसाब से देखा जावे तो उनकी खाना पूर्ति पूर्णरूप से होती रहती है, ग्रामीणों का आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी ,केंद्र प्रभारियों की सांठगांठ से फर्जी बिल,आंकडे तैयार कर प्रतिवर्ष लाखों रूपए गोलमाल कर दिए जाते है? इतना ही नही सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार तो यह तक बताया जाता है कि अनेक केंद्रों पर मनमर्जी है उन्हे आंगनबाडी केंद्र को कब बंद करना है, कब खोलना यह सब उसकी मनमर्जी पर होता है..? वही इस जनपद में वर्षो से अंगद की पैर की तरह जमें हुये संबंधित अधिकारियों द्वारा इनका निरीक्षण सिर्फ शासकीय गाड़ियों में घूमते हुए औपचारिकत पूर्ण देखने मिलता है.? केन्द्र की अनेक योजनाएं बंद-आगंनबाडी केंद्रों मे चलने वाली गर्भवती महिलाओं, बच्चों के कुपोषण रोकने, पोषण आहार, गोद भराई, अन्न प्रसान,वजन मेला जैसी कई योजनाएं बंद पडी हुई जान पड़ रही है और इन तमाम कार्यक्रम सिर्फ कागजी खाना पूर्ति तक सीमित है? वही आंगबाडियों द्वारा बनाए गए महिला स्व सहायता समूह की भूमिका भी संदिग्ध नजर आने से भी नही चूक पा रही है, जिसमें फर्जी समूह बनाकर फायदा उठाये जाने की चर्चाएं आम होती चली जा रही है? वही बच्चों को जिस प्रकार से साप्ताहित चार्ट के अनुसार भोजन मिलना चाहिए वह सिर्फ कागजों में तो मिल रही है,मगर हकीकत में यह सिर्फ कागजों तक ही सिमट कर रह गई है?

अपने अस्तित्व को बचाने ने के लिए जूझ रहा सालीचौका साप्ताहित बाजार, समय रहते ध्यान नहीं दिया तो बसुरिया बाजार का रूप धारण कर लेगा?

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

अक्सर देखा जाता है कि जब किसी शहर या कस्बे में साप्ताहिक बाजार लगता है तो निश्चित उस क्षेत्र के लोगों को बाजार से काफी सुविधा होने के साथ साथ सप्ताह में एक दिन जरूरी सामग्री निर्धारित दामों पर उपलब्ध हो जाती है, कुछ इसी प्रकार से नगर सालीचौका में सप्ताह में दो दिन यानि की गुरूवार व रविवार को लगने वाले बाजार में देखी जाती है,

यहां पर बाजार के दिन सिर्फ सालीचौका ही नही बल्कि आसपास के अनेक गांवों से लोग पहुंचकर जहां जरूरी सामग्री खदीदते है और इस बाजार में दूर दूर से दुकानदार आकर अपनी दुकान लगाते हुए रोजी रोटी भी चलाते है। मगर देखा जा रहा है कि नगर में लगने वाले इस साप्ताहित बाजार पर जिस प्रकार से बदहाली की काली छाया मंडरा रही है उसके चलते बाजार लगातार अपने अस्तित्व को बचाने के लिए जूझने लगा है? वर्षो से लगने वाले इस बाजार में लगातार अतिक्रमण होने के कारण जहां दुकानदारों के लिए जगह कम होती चली जा रही है और इसी का परिणाम है कि दिनों दिन बाहर से दुकानदारी करने आने वालें दुकानदारों में कमी दिखाई देने लगी है, वही बाजार के दिवस पर होने वाली आवारा गर्दी के चलते भी लोगों द्वारा इस बाजार में आने के लिए भय सताने लगी है, जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस बाजार का संपूर्ण संचालन नगर परिषद के जिम्मे है जो बाजार में दुकानदारी करने वाले लोगों से टेक्स की बसूली तो की जाती है, मगर दुकानदारों को सुविधा के नाम पर कुछ उपलब्ध नही हो पा रहा है इस स्थिति में दुकानदारों को तो परेशान होते हुए देखा जा रहा है। मगर बाजार में फैल रही अव्यवस्थाओं के साथ बदहाली को लेकर किसी भी प्रकार के प्रयास नही किये जा रहे है जिसके चलते नगर के जनप्रतिनिधियों की स्वार्थ पूर्ण कार्यशैली का शिकार हो रहे इस बाजार की ओर यदि समय रहते हुए ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही नगर का यह बाजार भी समीपस्थ ग्राम बसुरिया के साप्ताहिक बाजार का रूप धारण करने में कोई कसर नही छोड़ेगा? ज्ञात हो कि वर्षो पूर्व समीपस्थ ग्राम बसुरिया में प्रति मंगलवार को लगने वाला साप्ताहिक बाजार भी संपूर्ण क्षेत्र में जाना पहचाना जाता था, जिसमें सभी प्रकार की दुकाने लगने के साथ साथ इस बाजार में हमारे जिले के आलवा अन्य जिलों के दुकानदार भी पहुंचते हुए देखे जाते थें और बाजार का रूप इस प्रकार से हो चुका था कि लगातार दो दिनों तक समाप्त नही होता था, मगर यहां पर स्वार्थी नेताओं की भेंट चढ़ा बासुरिया बाजार एक छोटे रूप में पहुंच चुका है और यदि समय रहते हुए सालीचौका बाजार की व्यवस्थाओं की ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही एक दिन यह बाजार भी उसी रूप में आ पहुंचेगा जिसमें चंद दुकाने ही दिखाई देगी? यह बात अलग है कि आये दिन नगर में राजनैतिक या फिर सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान नगर के नेताओं की भीड़ व प्रभाव देखने के लिए तो जरूर मिलता है, मगर बदहाली की स्थिति में पहुंच रहे इस बाजार की ओर शायद ही आज तक किसी नेता या फिर जनप्रतिनिधि द्वारा अपनी सोच रखी गई हो? जिससे नगर की बाजार में फैल रही व्यवस्थाओं में सुधार हो सुके।

खबर संक्षेप

हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी की द्वितीय परीक्षा में किया आंशिक संशोधन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल/हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 के परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक संशोधन किया गया है। यह संशोधन कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट की परीक्षाओं के दृष्टिगत किया गया है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश भी जारी किए गए है। साथ ही संशोधित परीक्षा कार्यक्रम को विद्यालय के सूचना पटल पर प्रमुखता से प्रदर्शित करने और संबंधित विद्यार्थियों को इसकी जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाने को कहा है। परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगी। नियमित, स्वाध्यायी एवं दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों की परीक्षाएं समान तिथि एवं समय पर संपन्न होंगी। विद्यार्थी संशोधित परीक्षा कार्यक्रम मंडल की वेबसाइट माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश पर भी देख सकते हैं। मंडल द्वारा जारी आदेश के अनुसार पूर्व निर्धारित परीक्षा तिथियों में परिवर्तन किया गया है। 14 मई को आयोजित होने वाली कृषि, गृह विज्ञान एवं अकाउंटेंसी विषयों की परीक्षाएं अब 19 मई को होंगी। वहीं 21 मई को होने वाली गणित एवं मनोविज्ञान विषयों की परीक्षाएं अब 26 मई को आयोजित की जाएगी।

म.प्र.लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर डॉ. आदर्श वर्मा बने मेडिकल ऑफिसर

अनूपपुर। परिश्रम ही सफलता की कुंजी है इसका जीता जागता उदाहरण अनूपपुर जिले के तहसील कोतमा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिपरिया में देखने को मिल रहा है, जहां मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर डॉक्टर आदर्श वर्मा मेडिकल ऑफिसर बन चुके हैं।

166 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, नवदंपत्तियों को मिली आर्थिक सहायता और उपहार

अमरपुर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह संपन्न

डिंडौरी। अमरपुर स्थित सीएम राइज विद्यालय प्रांगण में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग के तत्वावधान में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत समनापुर एवं अमरपुर क्षेत्र के कुल 166 वर-वधु विवाह बंधन में बंधे।समारोह में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, डिंडोरी विधायक ओमकार मरकाम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में पारंपरिक लोकनृत्य और गुदुम बाजा की आकर्षक प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। विवाह हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया। वधुओं को सीएम राइज स्कूल से मुख्य

समारोह स्थल तक लाया गया, जबकि बारात मॉडल छात्रावास से नगर के मुख्य मार्गों से होकर विवाह स्थल पहुंची।समारोह के दौरान जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए पांच बर्तन, पांच जोड़ी वस्त्र एवं अंगूठी भेंट की। साथ ही सभी वर-वधुओं के बैंक खातों में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 49 हजार रुपये की राशि ऑनलाइन हस्तांतरित की गई। शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बेटियों के सम्मान और उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने नवदंपत्तियों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन

तथा घर-घर नल जल योजना से जोड़ने की बात भी कही।सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि इस योजना से हजारों परिवारों को आर्थिक संबल मिला है और सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।वहीं डिंडोरी विधायक ओमकार मरकाम ने नवदंपत्तियों से आपसी विश्वास और प्रेम के साथ वैवाहिक जीवन निभाने तथा नशे से दूर रहकर स्वस्थ समाज निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।समारोह में बड़ी संख्या में दोनों पक्षों के परिजन शामिल हुए। अतिथियों एवं परिवारजनों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम का समापन नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद देने के साथ हुआ।

खरीदी केंद्र निगवानी का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

मसूर और चना उपज को सुरक्षित रखने दिए निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में गुरुवार को खरीदी केंद्र निगवानी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण एसडीएम रामबाबू देवांगन एवं डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन द्वारा किया गया। अधिकारियों ने समर्थन मूल्य खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए केंद्र प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केंद्र परिसर में बाहर रखी मसूर एवं चना की उपज को तत्काल सुरक्षित रूप से गोदाम के अंदर रखने के निर्देश दिए ताकि मौसम या अन्य कारणों से उपज को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे।अधिकारियों ने खरीदी केंद्र में किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्र में प्राथमिक उपचार और पेयजल की समुचित व्यवस्था पाई गई। अधिकारियों ने केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और खरीदी कार्य सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाए।

सामान्य वनमण्डल डिण्डौरी में तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य शुरू जिले में 327 संग्रहण केन्द्रों पर जारी है खरीदी

डिण्डौरी। सामान्य वनमण्डल डिण्डौरी अंतर्गत वर्ष 2026 के तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य की शुरुआत हो गई है। जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित डिण्डौरी के माध्यम से निर्धारित संग्रहण केन्द्रों पर तेंदूपत्ता खरीदी का कार्य किया जा रहा है।वनमण्डल डिण्डौरी के अंतर्गत 17 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियां संचालित हैं। इन समितियों के तहत जिले में 327 संग्रहण केन्द्रों पर तेंदूपत्ता संग्रहण जारी है। संघ मुख्यालय द्वारा जिले के लिए इस वर्ष 45173 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। संग्राहकों को प्रति मानक बोरा 4000 रुपये की दर से भुगतान किया जाएगा।वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 मई 2026 तक 16030.535 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जा चुका है। वन विभाग ने संग्राहकों से अधिक से अधिक मात्रा में अच्छी गुणवत्ता वाला तेंदूपत्ता संग्रहित करने की अपील की है ताकि उन्हें अधिक लाभ मिल सके।

भारतीय किसान संघ की बैठक में किसानों की समस्याओं और मांगों पर हुई चर्चा

बीज उपलब्धता बिजली सिंचाई और मुआवजे सहित कई मुद्दे उठाए

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कई सुझाव और मांगें रखी गईं।बैठक में कृषि विभाग से खरीफ सीजन के लिए मक्का धान अरहर सोयाबीन तथा कोदो कुटकी सहित अन्य बीजों की पर्याप्त उपलब्धता 15 जून तक सुनिश्चित करने और वर्षा पूर्व किसानों को वितरण कराने की मांग की गई। किसानों ने धान और गेहूं उपार्जन सीमा बढ़ाने सिंचित भूमि का सही गिरदावरी रिकॉर्ड दर्ज करने तथा फसल कटाई प्रयोगों में किसान संघ को शामिल करने की मांग भी उठाई। खाद और उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने तथा लंबित अनुदान राशि किसानों के खातों में जमा कराने की बात भी कही गई।

उद्यानिकी विभाग से प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए स्थाई ढांचों की संख्या बढ़ाने कृषि उपकरणों की मूल्य विसंगतियों में सुधार तथा कृषक भ्रमण योजनाओं में पारदर्शिता लाने की मांग की गई। पशुपालन विभाग से पशु चिकित्सालयों में दवाइयों की उपलब्धता और समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।विद्युत विभाग से कम वोल्टेज वाले ट्रांसफार्मरों को बदलने ग्रामीण क्षेत्रों की जर्जर विद्युत लाइनों में सुधार करने तथा जले ट्रांसफार्मरों को 24 घंटे के भीतर बदलने की मांग रखी गई। किसानों ने 5 रुपये में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने और शहपुरा तथा मेंहदवानी क्षेत्र में बार-बार बिजली बंद होने की समस्या भी उठाई।जल

संसाधन विभाग के संबंध में किसानों ने जिले के बांधों और नहरों की समय पर मरम्मत गेट सुधार तथा खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने की मांग की। समनापुर भाजीटोला मोहदा और चैरा जलाशयों से जुड़ी समस्याओं को भी प्रमुखता से रखा गया।पीएचई विभाग के अंतर्गत जल जीवन मिशन योजनाओं में गुणवत्ताहीन कार्यों की शिकायत करते हुए बंद पड़ी नल जल योजनाओं की जांच और सुधार की मांग की गई। सहकारी बैंक और सहकारिता विभाग के संबंध में किसानों ने पासबुक प्रिंटिंग ऋण जमा प्रक्रिया तथा नवीन लेम्पस संचालन में सुधार की आवश्यकता बताई।राजस्व विभाग से गिरदावरी सुधार सीमांकन फौती नामांतरण सार्वजनिक भूमि संरक्षण और अतिक्रमण हटाने की मांग की गई। किसानों ने खेतों के पारंपरिक रास्तों को नक्शों में दर्ज करने तथा राजस्व जागरूकता अभियान चलाने की भी मांग रखी।बैठक में वन विभाग से जंगली जानवरों से फसल नुकसान पर मुआवजा और फेंसिंग पर 80 प्रतिशत अनुदान देने की मांग की गई। कृषि उपज मंडी में व्यापारियों द्वारा रेट सूची नहीं लगाने और किसानों के शोषण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।अन्य मांगों में कृषि विज्ञान केंद्र डिंडौरी में कृषि महाविद्यालय खोलने सभी विभागीय कार्यालयों में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने तथा बिलगांव जलाशय परियोजना में ब्लास्टिंग से प्रभावित ग्रामीणों को क्षतिपूर्ति देने की मांग शामिल रही। किसानों ने भारतीय किसान संघ की बैठक प्रत्येक दो माह में कलेक्ट्रेट सभागार में नियमित रूप से आयोजित करने की मांग भी रखी।बैठक में कृषि उपसंचालक संजय जोशी, उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग एच पी शुक्ला, भारतीय किसान संघ जिलाध्यक्ष बिहारी लाल साहू सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी और किसान संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पेट्रोल-डीजल बचत को लेकर जिला प्रशासन सख्त

अब अधिकारी करेंगे व्हीकल पूलिंग छोटी दूरी के लिए पैदल और साइकिल को बढ़ावा

डिंडौरी। बढ़ती ईंधन खपत और ऊर्जा संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अंजू पवन भदौरिया ने जिले के सभी शासकीय विभागों के लिए पेट्रोल और डीजल बचत संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेश में सरकारी वाहनों के दुरुपयोग पर रोक लगाने के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों को व्हीकल पूलिंग अपनाने के निर्देश दिए गए हैं।जारी आदेश के अनुसार शासकीय वाहनों का उपयोग केवल सरकारी कार्यों के लिए ही किया जाएगा। बिना अनुमति वाहन संचालन और अनावश्यक उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। एक ही दिशा में जाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को एक ही वाहन से यात्रा करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि ईंधन की बचत सुनिश्चित हो सके।

कलेक्टर ने छोटी दूरी के कार्यों के लिए पैदल चलने साइकिल तथा ई-बाइक के उपयोग को प्राथमिकता देने पर जोर दिया है। साथ ही बैठकों और समीक्षा कार्यक्रमों को अधिकतम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सरकारी वाहनों को अनावश्यक रूप से चालू हालत में खड़ा नहीं रखा जाएगा। वाहनों की नियमित सर्विसिंग और टायर प्रेशर की जांच अनिवार्य रूप से कराई जाएगी जिससे ईंधन दक्षता बनी रहे।प्रशासन ने कार्यालयीन कार्यप्रणाली में डिजिटल फाइलिंग ई-ऑफिस और ऑनलाइन संवाद प्रणाली को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए हैं। प्रत्येक कार्यालय में प्रतिमाह ईंधन खपत की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा स्कूल कॉलेज और ग्राम पंचायत स्तर पर ऊर्जा संरक्षण से जुड़े जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा सार्वजनिक स्थलों पर ईंधन बचत संबंधी पोस्टर और संदेश प्रदर्शित किए जाएंगे।कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने सभी विभाग प्रमुखों को अपने अधीनस्थ कार्यालयों में इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं।

क्षीर धारा ग्राम योजना के तहत समन्वय समिति की बैठक आयोजित

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में क्षीर धारा ग्राम योजना अंतर्गत पशु स्वास्थ्य पोषण एवं नस्ल सुधार समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक के दौरान पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण संतुलित पोषण टीकाकरण उपचार व्यवस्था तथा उन्नत नस्ल संवर्धन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा पशुपालकों को समय पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि क्षीर धारा ग्राम योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और पशुपालकों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ पशुपालन को रोजगार के सशक्त माध्यम के रूप में विकसित किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

करिश्मा का सुयश

तेंदूखेड़ा विगत दिवस घोषित हुए सीबीएससी बोर्ड कक्षाओं के परीक्षा परिणामों में कक्षा बारहवीं की छात्रा करिश्मा मां श्रीमती सुषमा पिता विनोद श्रीवास्तव ने कामर्स विषय में 76 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम श्रेणी हासिल की है। करिश्मा शुरू से ही मेधावी छात्रा रही है और कक्षा दसवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। करिश्मा की इस सफलता पर शुभचिंतकों ने बधाईयां प्रेषित की हैं।

काम पर लौटे सफाई कर्मचारी

तेंदूखेड़ा विगत एक पखवाड़े से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर चल रहे नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों की प्रदेश पदाधिकारियों के हस्तक्षेप से मांगे पूर्ण होने पर सफाई कर्मचारी काम पर वापस लौट आये है। कर्मचारियों को हड़ताल पर वापिस लौटने के साथ ही वेतन भुगतान एवं एरियस राशि का समान तीन किस्तों में भुगतान पहली किस्त वेतन के साथ करने का लिखित आश्वासन दिया गया है।साथ ही कलेक्टर रेट पर 30 दिवस के मान से भुगतान करने ग्राम पंचायत के समय से काम कर रहे सफाई कर्मचारियों को नियमित और विनियमित किये जाने प्रस्ताव शासन को भेजने सफाई कर्मचारियों की ईपीएफ राशि शीघ्र जमा करने तथा हर माह की दस तारीख तक भुगतान करने तथा सफाई कर्मचारियों के साथ परिषद के समस्त कर्मचारियों को ड्रेस और आई कार्ड उपलब्ध कराने की लिखित सहमति प्रदान की गई है। सहमति बनते ही कर्मचारी गुरुवार से काम पर लौट आये है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि कलेक्टर एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति की अध्यक्ष के निर्देशानुसार जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक शुक्रवार को अपरान्ह 3:30 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी।

निगरानी समिति (दिशा) की बैठक निरस्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरसिंहपुर ने बताया कि जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 15 मई 2026 को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई थी। उक्त बैठक अपरिहार्य कारणों से निरस्त की गई है।

15 जोड़ो ने पाया दादा दुल्हा देव का आशीष

श्रद्धा, उत्साह से हिंदू सामूहिक विवाह संपन्न

दादा महाराज मंदिर में सामूहिक विवाह संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। दादा दूल्हा देव महाराज मंदिर डोकरघाट में सामूहिक सरल विवाह के आयोजन में 15 जोड़ो का विवाह आनंदपूर्वक उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री दादा दुल्हा देव महाराज मंदिर द्वारा आयोजन पूर्व आवेदकों से प्राप्त जानकारी का सत्यापन करने के बाद 15 जोड़ों को पात्र पाया गया। शुभ मुहूर्त में सभी हिंदू सनातन धर्म के संस्कारों के साथ पूरे परंपराओं को शामिल करते हुए विवाह संपन्न हुए। इसमें दादा दूल्हा देव महाराज मंदिर लोक न्यास समिति द्वारा सभी व्यवस्थाएं मंदिर परिसर में की गई थी।मंदिर की साज सज्जा विशेष रूप से की गई थी। सर्व प्रथम ट्रस्टीजन सुनील कोठारी, श्याम मुंशी, प्रह्लाद पटेल, मालक पटेल, संतोष पटेल ,बाबूलाल पटेल सहित सभी सेवादारों ने सभी वर वधु पक्षों का आत्मीय स्वागत किया। रामशंकर वर्मा, मनोज सोनी सहित गायत्री परिवार के परिजनों,बहिनों ने बहुत सुंदर भावों के साथ बुराइयों से दूर रहकर जीवन में अच्छे संस्कारों को अपनाने के संकल्प से विवाह संपन्न कराया। इसमें गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश, वरिष्ठ समाज सेवी मैथिलीशरण तिवारी, महंत पीतमपुरी, संध्या कोठारी, नीरज नेमा और दीपक नेमा सराफ तथा श्रीराम पटेल, खुमान सिंह पटेल, सुधीश पटेल, अर्जुन पटेल, राधेश्याम अगशिया आदि ने सम्मिलित होकर वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। टी आई स्टेशन थाना, यातायात थाना, नगरपालिका नरसिंहपुर अन्यगणमान्य नागरिक ने सम्मिलित होकर वर वधु को अपना आशीर्वाद प्रदान किया । विधायक महेंद्र नागेश ने अपनी ओर से भी वर वधु को उपहार दिए। मंदिर परिसर में प्रसाद आदि के दुकान संचालकों द्वारा भी विभिन्न उपहार, भेंट वर वधु को प्रदान कर आशीर्वाद दिया। आयोजक मंदिर समिति ने विदाई में वर वधु को पायल, बिछुड़ी,मंगलसूत्र और बर्तन प्रदान किए। दादा दुल्हा देव महाराज के जयकारों के साथ सभी जोड़ो ने मंदिर की परिक्रमा कर दादा महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी गणमान्य जनों, बाराती जनों, वधु पक्ष सहित उपस्थित जनो को प्रसाद व स्नेह भोज के साथ सम्मेलन संपन्न हुआ। सभी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोगी भक्त जनों का आभार समिति अध्यक्ष इंजी सुनील कोठारी द्वारा किया गया।

आजीविका मिशन की योजनाओं के क्रियान्वयन में लाई जाए तेजी - कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की समीक्षा बैठक लेकर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन की गतिविधियों में नवाचार और गति लाकर अधिक से अधिक स्व-सहायता समूहों को लाभान्वित किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि प्रत्येक विकासखंड में स्वदेशी पौधों के बीजों के साथ एक-एक लाख सीड बॉल तैयार किए जाएं। इसके लिए प्रत्येक क्लस्टर में विषयवार प्रोजेक्ट तैयार कर योजनाओं का लाभ व्यापक स्तर पर समूह सदस्यों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने जिला परियोजना प्रबंधक को निर्देश दिए कि सभी गतिविधियों का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में बर्तन बैंक स्थापित करने तथा एक हजार जल भरण संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करते हुए इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। एक बगिया माँ के नाम परियोजना के अंतर्गत समूहों को प्रशिक्षण प्रदान कर सब्जी उत्पादन हेतु प्रेरित करने तथा सुरक्षा की दृष्टि से फेंसिंग कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि उपयंत्री, एपीओ एवं बीएम संयुक्त रूप से तीन दिवस के भीतर कार्यों का परीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जिला पंचायत की 70 दुकानों को स्व-सहायता समूहों को आवंटित करने तथा विभिन्न गतिविधियों को विकसित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से, बताईं समस्याएं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर किसानों की समस्याओं के निराकरण की मांग की। ज्ञापन में मांग की गई है कि कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर का विस्तार कार्य शीघ्र कराया जाए प्रांत मंत्री स्वदेश कोठारी ने बताया की अभी मंडी में प्रतिदिन 8000 कुंतल अनाज कीक्षमता है जबकि वर्तमान में 15 से 20000 कुंटल माल मंडी में आ रहा है जिससे मंडी प्रांगण में जाम की स्थिति आ जाती है और किसान परेशान होता रहता है अनाज की ज्यादा आवक होने से एवं मंडी से व्यापारियों का माल ना उठाने से समय-समय पर मंडी को बंद रखना पड़ता है इस प्रकार महीने भर में 12 से 15 दिन मंडी बंद रहती है। जिले में विद्युत विभाग के अनुसार 36000 ट्रांसफार्मर एवं 102 पावर ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं यह ट्रांसफर जलने पर जबलपुर सागर एवं शहडोल से बुलवाए जाते हैं उनके आने-जाने में कम से कम एक हफ्ते का समय लग जाता है और किसानों को समय पर ट्रांसफार्मर नहीं मिल पाने से फसलो का नुकसान हो चुका होता है इसके लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव से चर्चा करते हुए उनको बताया कि नरसिंहपुर जिले में एक ट्रांसफार्मर एरिया स्टोर जल्द जल्द से स्थापित किया जाए जिससे जलने वाले ट्रांसफार्मर किसानों को शीघ्र बदल जाए साथ ही ग्रीष्मकालीन मूंग उड़द के रजिस्ट्रेशन के लिए गिरदावली को ही रजिस्ट्रेशन मानकर खरीदी प्रारंभ की जाए तथा गोटेगांव में मटर हेतु नई मंडी की अतिरिक्त व्यवस्था की जाए एवं बचाई शुगर मिल से किसानों का लंबित भुगतान जल्द ब्याज सहित कराया जाए आर आर एग्रो शुगर मिल जो बंद हो चुकी है उसमें भी किसानों का लंबित भुगतान जल्द कराया जाए।

विद्या भारती की संकल्पना के अनुसार है राष्ट्रीय शिक्षा नीति का स्वरूप

समाज में ज्ञान ज्योति का प्रकाश फैला रहे हैं आचार्य गुरुः प्रहलाद पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर योजना की बृहद श्रृंखला में शहरी ग्रामीण वनवासी और सेवा प्रकल्प चल रहे हैं संस्कृति को बचाने का कार्य करने वाले आचार्य गुरु तत्व का बोध करते हुए आत्म ज्योति से पुलकित स्वयं प्रकाशित हो आत्म बल सादगी सेवा द्वारा समाज में ज्ञान ज्योति का प्रकाश फैला रहे हैं युग परिवर्तन के अकाट्य सिद्धांत को मूल सुधार, भूल सुधार द्वारा निर्विकार गुरु ही कर सकता है उक्त उदगार प्रहलाद पटेल पंचायत ग्रामीण विकास श्रम मंत्रालय मध्य प्रदेश सरकार व नरसिंहपुर विधायक द्वारा सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में प्रांतीय शिशु वाटिका सामान्य दक्षता प्रशिक्षण वर्ग में शिशु वाटिका प्रशिक्षण प्राप्त कर रही मातृशक्ति दीदियों को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये विशिष्ट अतिथि जालम सिंह पटेल पूर्व राज्य मंत्री, रामसनेही पाठक भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष, शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग प्रांत एवं क्षेत्र संयोजक प्रभात सिंह, प्रांत सह संयोजिका श्रीमती संतोषी सोनी, वर्ग संयोजिका श्रीमती कुमुद रानी दुबे ,व्यवस्थापक धर्मेंद्र सिंह ममार, उपाध्यक्ष संजय दुबे संस्था प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर राजेंद्र पटेल स्थानीय आचार्य परिवार मौजूद रहे।

समझ विकसित करते हुए शिशु का समग्र विकास

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बदलाव के माध्यम से क्रिया आधारित, गीत, कहानी ,अभिनय के माध्यम से साक्षरता एवं संख्यात्मकता की दृष्टि से 5 वर्ष तक के फाउंडेशन पाठ्यक्रम के अनुसार रटने के बजाय समझ विकसित करते हुए शिशु का समग्र विकास किया जाता है शिशु के अंदर पंचकोष, पंचमहाभूत पांच ज्ञानेंद्रिय, कर्मेंद्रिय, आधारभूत विषयों द्वारा ईसीसीई की 12 शैक्षिक व्यवस्था जिसमें शिशु शिक्षा के साथ आहार ,देखभाल के लिए दीदियों द्वारा शिशु की मां को भी अभिभावक संपर्क एवं मातृ गोष्ठी के माध्यम से अभिभावक शिक्षा देकर प्रशिक्षित किया जाता है उक्त उदगार सत्यनारायण शर्मा शिशु शिक्षा क्षेत्रीय सह संयोजक ने संवाद सत्र में शिक्षा के स्वरूप की भारतीय संकल्पना विषय पर मार्गदर्शन देते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम अध्यक्ष परितोष दुबे नगर संघ चालक ने मातृशक्ति दीदियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहां कि स्वयं का चिंतन होने से ही यश कीर्ति, लोकप्रियता बढ़ती है आदर्श शिक्षक बनकर देश के निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आप पर है।

समर्थन मूल्य पर 18 हजार 649

किसानों से हुई गेहूं खरीदी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में समर्थन मूल्य पर 18 हजार 649 किसानों से 11 लाख 44 हजार 730 क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। साथ ही 10 हजार 935 किसानों के बैंक खातों में 133 करोड़ रुपये का ऑनलाइन भुगतान किया जा चुका है। शेष किसानों को भुगतान की कार्यवाही निरंतर जारी है। जिले में अब तक 30 हजार 260 किसानों के द्वारा गेहूं विक्रय के लिए स्लॉट बुकिंग की जा चुकी है, जो 78 प्रतिशत है। शासन से गेहूं खरीदी का प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध लगभग 90 प्रतिशत मात्रा की खरीदी पूर्ण की जा चुकी है। जिले के विभिन्न खरीदी केन्द्रों में किसानों के द्वारा बुकिंग कराए गए स्लॉटों में गेहूं की खरीदी निरंतर जारी है।

प्रभारी मंत्री सलाहकार समिति की बैठक लेंगे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के प्रभारी मंत्री और उपाध्यक्ष जिला विकास सलाहकार समिति गोविंद सिंह राजपूत की अध्यक्षता में 16 मई को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। कलेक्टर ने सभी जिला प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी सहित बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

अक्षरधाम डीआरजे कॉलोनी प्लाटों के विक्रय एवं रजिस्ट्री पर रोक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर के खैरी नाका क्षेत्र मे विकसित की जा रही अक्षरधाम डीआरजे कॉलोनी के विकास और निर्माण के संबंध में आदेश जारी किया गया है। विभाग ने इस कॉलोनी के भूखंडों के क्रय-विक्रय, अनुबंध और रजिस्ट्री की कार्यवाही पर तत्काल प्रतिबंध लगाने हेतु जिला कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी को विशेष अनुशंसा की है। यह कठोर निर्णय कॉलोनी की भूमि के स्वामित्व को लेकर न्यायालय में लंबित विवाद और तकनीकी विसंगतियों को देखते हुए लिया गया है, ताकि आम जनता को भविष्य की विधिक जटिलताओं से बचाया जा सके। प्राप्त आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, अक्षरधाम रियल इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही इस कॉलोनी की कुछ प्रमुख भूमियों के मालिकाना हक और वसीयत की वैधता को लेकर श्रीमती मीना सोनी एवं अन्य द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। वर्तमान में यह गंभीर मामला व्यवहार न्यायालय नरसिंहपुर में विचाराधीन है। विभाग के संयुक्त संचालक ने प्रकरण की सूक्ष्मता से जांच करने के बाद पाया कि कॉलोनी तक पहुंचने का एकमात्र मुख्य मार्ग ही विवादित भूमि से होकर गुजरता है। ऐसी स्थिति में मध्य प्रदेश भूमि विकास नियम के तहत किसी भी लेआउट के लिए स्पष्ट और निर्विवाद पहुंच मार्ग होना अनिवार्य है, जो वर्तमान में यहां संभव नहीं दिखाई दे रहा है। आम जनता और निर्दोष क्रेताओं के हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभाग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि जब तक न्यायालय का अंतिम निर्णय नहीं आ जाता, तब तक इस परियोजना में किसी भी प्रकार का नया निर्माण, तृतीय पक्ष के साथ क्रय-विक्रय या एडवांस बुकिंग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। विभाग ने जिला पंजीयक और उप-पंजीयक कार्यालय को भी पत्र लिखकर सूचित किया है कि वे इस भूमि पर किसी भी प्रकार के भूखंडों की रजिस्ट्री की कार्यवाही न करें।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य 2 जून को जिले का भ्रमण कर बैठक लेंगे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली के सदस्य प्रियांक कानूनगो 02 जून 2026 को जिले के भ्रमण पर रहेंगे। आप दोपहर 3:30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक लेंगे। इस निर्धारित भ्रमण का उद्देश्य मानवाधिकार और समावेशी विकास से संबंधित प्रमुख विषयगत क्षेत्रों में क्रियान्वयन की स्थिति और जमीनी हकीकतों की व्यापक समीक्षा करना है।

जिला स्तरीय युवा संगम कार्यक्रम 18 मई को करेली में

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। *प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि राज्य शासन और जिला प्रशासन नरसिंहपुर के निर्देशानुसार जिला स्तरीय स्वरोजगार अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार के लिए युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में 18 मई को महात्मा गांधी महाविद्यालय करेली में आयोजित किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में शासन की विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं के ऋण वितरण पत्र जारी किए जाएंगे। विभिन्न विभागों के द्वारा स्वरोजगारमूलक योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। इसके साथ-साथ विभिन्न कम्पनियों द्वारा अभ्यर्थियों का चयन कर निजी कम्पनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।*

इस बार पुरुषोत्तम मास 17 मई से 15 जून 2026 तक है!

गोटेगांव नरसिंहपुर:आध्यात्मिक दृष्टि से साधना के लिए सर्वश्रेष्ठ है पुरुषोत्तम मास- आत्म कल्याण और शक्ति संचय का महापर्व अधिमास पुराणपुरुषो विष्णुः पुरुषोत्तम उच्यते ।नाम्नां सहस्त्रं वक्ष्यामि तस्य भागवतोद्धृतम्।।इस वर्ष ज्येष्ठमास में में अधिमास लग रहा है- एक अमावस्या के अंत से दूसरे अमावस्या के अंत तक के समय को चांद्रमास कहा जाता है।

अ संक्रान्ति मासोऽधिमासः स्फुटः स्याद् अर्थात जिस चान्द्रमास में सूर्य की संक्रान्ति न हो उसे अधिमास कहते हैं। और जिस चंद्रमास में दो संक्रांति हो जाती हैं उसे क्षयमास कहते हैं।

इस मास में शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से अमावस्या तक सूर्य की संक्रान्ति नहीं होगा। अतः ब्रह्म सिद्धान्त के अनुसार इसको ₹मलमास₹ भी कहते हैं, यथा-

चान्द्रोमासोह्यसंक्रान्तो मलमांसः प्रकीर्तितः।

गृहसूत्र परिशिष्ट में कहा गया है कि मल वदन्ति कालस्य मासं कालविद्रोऽधिकम्-

पुराणों में भगवान् ने इस मास को पुरुषोत्तम मास कहा है। कहते हैं कि हमको चाहने वाले भक्त पुरुषोत्तम मास में मेरा व्रत रखें तो उनके उद्देश्य की पूर्ति होती है, परन्तु अन्य मासों में इसको अधिक मास की संज्ञा दी गयी है।

भगवान नारायण ने स्वयं कहा है – "हे द्विजश्रेष्ठ ! सभी माह सूर्यदेव की संक्रान्ति के कारण बनते हैं परंतु अधिक मास में सूर्य संक्रान्ति नहीं होती।

पौराणिक कथा के अनुसार, जब मलमास को कोई देवता नहीं अपना रहा था, तो वह मास भगवान विष्णु की शरण में आया तब भगवान नारायण ने इसे अपनाया और(पुरुषोत्तम) नाम देकर पवित्र बना दिया। तभी से यह पुरुषोत्तम मास मगवान को अत्यन्त प्रिय है। तभी से भगवान विष्णु पुरुषोत्तम मास के स्वामी के रूप में प्रतिष्ठित हैं । आगे भगवान कहते हैं कि मेरे प्रिय पुरुषोत्तम मास में जप आदि करने से संसार में कोई वस्तु दुर्लभ नहीं जिसे प्राप्त नहीं किया जा सकता ।

शास्त्रों में अधिमास के संदर्भ में कहा गया है –

यह मास दान-पुण्य, पूजन-पाठ, देवाराधना अक्षय पुण्य की प्राप्ति का एक मात्र सुअवसर है। पुरुषोत्तम मास में किया गया सत्कर्म अनन्तगुना फल देने वाला होता है।

तीर्थस्थान में पुरुषोत्तम व्यतीत करने की बड़ी महिमा धर्मग्रन्थों में बताई गई है। इस महीने में नित्य प्रातः काल उठकर तीर्थ या पवित्र नदी में स्नान कर दीपदान करना चाहिए। क्योंकि कार्तिक मास में किए गए दीपदान से हजार गुना अधिक पुण्य पुरुषोत्तम मास में किये गए दीपदान का है। ऐंसा करने मन को शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

भगवान विष्णु/कृष्ण की विशेष कृपा।

अधिमास में कौन सा कार्य करना चाहिए तथा कौन सा कार्य नहीं करना चाहिए इसका निरुपण-

अधिमास में करने योग्य कर्म-

द्वादशाह, सपिण्डन, कर्मग्रहण, सीमन्त, पुंसवन, पितृश्राद्ध और जातकर्म। श्राद्ध को पूर्व तिथि अर्थात अधिमास में युगादि तिथियों में मन्वादि तिथियों में, तथा अधिमास में दैनिक दान करना निषेध नहीं है। तिल, गेहूँ, सोना का दान तथा सन्ध्योपासन कर्म एवं पर्व को ग्रहण का जप, अग्निहोत्र देवता पूजन, एवं अतिथि पूजन अधिमास में ग्राह्य है।

दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में अस्पताल परिसर में उपस्थित रहे क्षेत्रीय जन

मृतकों के परिजनों को दो दो लाख की राशि मिलते ही माना पीड़ित पक्ष

तेंदूखेड़ा बुधवार को दोपहर लगभग साढ़े ग्यारह बजे तेंदूखेड़ा गाडरवारा सड़क मार्ग पर भामा और करोंदी के बीच तेंदूखेड़ा तरफ से गाडरवारा तरफ अनाज भरकर ले जा रही

आइशर मालवाहक ट्रक क्रमांक एमपी 49 जेड एफ 4462 के द्वारा करोंदी तरफ से मोटरसाइकिल चलाकर आ रहे केशव पिता पूरन लाल धानक एवं उसके साथ बैठे लखन पिता रघुवीर गौड़ 30 वर्ष तेजराम पिता सेवाराम ठाकुर उम्र 40 साल को जोरदार टक्कर मार दी थी जिसमें लखन गौड़ और तेजराम ठाकुर की घटना स्थल पर ही करुण अंत हो गया था। घटना की जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन एकत्रित हो गए और मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता के साथ साथ लगातार हो रही घटनाओं दुर्घटनाओं पर विराम लगाने की दिशा में कंटेनरों की अबाध गति पर रोक लगाने पीड़ित परिवार के लोगों को शासकीय सेवाओं में नौकरी बच्चों को शिक्षा ग्रहण कराने सहित विभिन्न विंदुओं को लेकर चक्काजाम कर दिया। और प्रशासन के जबाबदार अधिकारियों द्वारा आर्थिक सहायता और मांगें मानने के उपरांत ही 6 घंटे बाद ही लोग सड़क से उठे। शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पीएम को भेजा गया। लेकिन पीड़ित पक्षों ने प्रशासन के समक्ष जो विषय रखा था कि जब तक राशि मुहैया नहीं हो जाती है तब तक शव शदाह नहीं करेंगे। गुरुवार को सुबह जब परिजनों को राशि नहीं मिली तो अस्पताल परिसर में ग्रामीणों ने फिर से हल्ला बोल दिया।समय की नजाकत को देखते हुए प्रशासन के अधिकारियों ने भी फिर मोर्चा संभाला पीड़ित पक्षों को दो दो लाख रुपए की राशि के चेक उपलब्ध कराये गये तब परिजन शवों को लेकर अपने घर वापिस लौटे।

मृतक अपने परिवार के इकलौते चिराग थे

हृदय विदारक बात तो यह थी कि जिन घरों के चिराग बुझे है वह अपने घरों के इकलौते चिराग थे। जिसमें लखन लाल 30 साल के वृद्ध माता-पिता और दो छोटे छोटे बच्चों का पिता था।अब इन परिवारों के सामने जीविकोपार्जन के साथ बच्चों की परवरिश का एक बहुत बड़ा पहाड़ खड़ा हुआ है। पुलिस ने बी एन एस 2023 अधिनियम के अनुसार बाहन चालक पर 281 106(1) मोटर यान अधिनियम 1988 संशोधन 184 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ईओडब्ल्यू की टीम ने एस डी एम कार्यालय में की कार्यवाही

रीडर बाबू 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते ट्रेप

तेंदूखेड़ा इन दिनों तेंदूखेड़ा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय चर्चाओं में बना हुआ है। यहां पर पदस्थ अधिकारियों की कार्यप्रणाली से आम जन परेशान बनें हुए हैं। कुछ ही समय पूर्व यहां पर पदस्थ बाबू को देवास पुलिस गिरफ्तार करके ले गई थी। अब गुरुवार का दिन भी तेंदूखेड़ा के इतिहास में कालिख पोत कर चला गया जहां रीडर बाबू रिश्वत लेते पकड़ा गया। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार तेंदूखेड़ा के एक कालोनाइजर संजय राय पिता अशोक राय के द्वारा टी एन सी पी को रिपोर्ट भेजने के लिए एस डी एम कार्यालय तेंदूखेड़ा से स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट कालौनी निर्माण हेतु नक्शा प्रस्तावित करने के लिए रिश्वत मांगी गई थी।जिसकी शिकायत आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ को आवेदन किया गया था। गुरुवार को तेंदूखेड़ा एस डी एम कार्यालय पहुंची ई ओ डब्ल्यू जबलपुर की टीम ने कार्यालय का रीडर बाबू सौरभ यादव पिता महावीर यादव उम्र 26 वर्ष निवासी नरसिंहपुर को 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए ट्रेप करते हुए धारा 7 के तहत अपराध दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। जबकि यह राशि कहां किस जगह जानी थी इस विषय को लेकर तरह तरह की चर्चायें व्याप्त हैं।